World Safe Abortion Day 2019

District level dialog with CSOs, CBOs, and Health deportment on need and availability of Safe Abortion Services

<u>Program Report</u>

Place : Red Crass Bhawan - Azamgarh

Date: 30 September 2019

-:Organized by:-

Gramin Punarnirman Sansthan- Azamgarh

-:Supported by :-

Common Health

संस्था का नामः ग्रामीण पुनर्निर्माण संस्थान– बिलारी, बढ़या, आजमगढ़

कार्यक्रम का नामः विश्व सुरक्षित गर्भ समापन दिवस के अवसर पर सुरक्षित गर्भ समापन सेवाओं की आवश्यकता एवं उपलब्धता पर जिला स्तरीय सेवा प्रदाताओं के साथ सीबीओ लीडर व जिला फोरम के साथियों के साथ संवाद।

सहयोगी संस्था का नामः कामन हेल्थ

आज दिनांक 30सितम्बर 2019 को ग्रामीण पुनर्निर्माण संस्थान एवं कामन हेल्थ के संयुक्त तत्वावधान मे रेड क्रास भवन के सभागार में विश्व सुरक्षित गर्भ समापन दिवस के अवसर पर सुरक्षित गर्भ समापन सेवाओं की आवश्यकता एवं उपलब्धता पर जिला स्तरीय सेवा प्रदाताओं के साथ सीबीओ लीडर व जिला फोरम के साथियों के साथ संवाद का आयोजन किया गया । जिसमें नारी संघ की अगुआ महिलाए व आशा तथा स्वैच्छिक संगठनों के कुल 56 प्रतिभागियो ने प्रतिभाग किया , कार्यक्रम का संचालन राजदेव चतुर्वेदी के द्वारा किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा0 ए0 के0 मिश्र मुख्य चिकित्साधिकारी आजमगढ़ एवं विशिष्ट अतिथि डा0 वाई0 के0 राय अपर मुख्य चिकित्साधिकारी आजमगढ़ थे। सर्व प्रथम संस्थान के वरिष्ठ कार्यकर्ता जान्हवीदत्त के द्वारा सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए संस्था द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रजनन एवं मात्त्व स्वास्थ्य पर कार्य करने वाले नेटवर्क कामन हेल्थ के बारे मे विस्तार से बताया गया तथा आज के कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य भी बताया गया ।

राजदेव चतुर्वेदी के द्वारा **महिलाओं के नजरिये से सुरक्षित गर्भ समापन सेवाओं की आवश्यकता एवं उपलब्धता पर** प्रस्तुतिकरण के माध्यम से जनपद आजमगढ़ मे घटी दो कहानियों के माध्यम से सदन का ध्यान आकर्षित किया गयाः–

1. **प्रियंका की कहानी** प्रियंका ने बतलाया कि उसको अचानक खून गिरना सुरू हो गया और साथ मे पानी भी गिरने लगा और यह करीब 15 दिन तक लगातार गिरता रहा जिससे इनको बहुत परेशानी का सामना करना पडा। शरीर मे सूजन हो गयी तथा चक्कर भी आने लगे थकान भी होने लगी। परेशानी को बढता देख इनके घर वाले इनको दिखाने सी0एच0सी0 अतरौलिया मे डा0 आरती सिंह के यहां ले गये। डा0 आरती सिंह ने पहले प्रियंका की जांच किया व बतलाया कि बच्चा खराब हो गया है रूकेगा नही इसकी सफाइ करनी पडेगी। प्रियंका की सास कौशल्या द्वारा सफाइ के खर्च के बारे मे पूछा गया तो डा0 आरती ने इसमे 5 से 6000 रूपये खर्च होने की बात कही तो कौशल्या ने कहा कि तब सरकारी मे आने से क्या फायदा जब पैसा पूरा लगना है इससे अच्छा प्राइवेट मे जाकर इलाज करवा लेंगें। इसके बाद प्रियंका के घरवाले इसको लेकर कृष्णा अस्पताल अतरौलिया मे लाकर भर्ती किये जहां पर औजार के द्वारा प्रियंका के गर्भ की सफाइ की गयी और करीब एक महिने उनका इलाज चला जिसमे कुल 5500 रूपये

का खर्चा आया अब प्रियंका की तबियत ठीक है व सामान्य है और वह अपना काम सही तरीके से कर रही है।

2. **श्यामा की कहानी** श्यामा उम्र 32 वर्ष है, श्यामा के पास तीन लडकियां तथा दो लडके हैं। वह अब बच्चा पैदा नही करना चाहती थी लेकिन एक दिन उनको सावधानी नहीं बरतने के वजह से गर्भ रूक गया तथा तब उन्होने मेडिकल स्टोर से 500 रूपये की दवा मगाकर खायी। इसके बाद उनको लगातार तीन महिने तक माहवारी आयी लेकिन माहवारी बहुत हल्की आ रही थी। इसके बाद श्यामा को बहुत ज्यादा पानी गिरने लगा पानी गिरते गिरते श्यामा की तबियत बहुत खराब हो गयी। इसके बाद श्यामा को सोनोग्राफी करवानी पडी। सोनोग्रफी देखने के बाद डा0 ने बतलाया कि अभी भी गर्भ का कुछ अंश अन्दर रह गया था जिसकी वजह से पानी आ रहा था। इसके बाद श्यामा बसखारी मे शेखर हास्पीटल मे जाकर अपना गर्भ की सफाइ करवायी और 20 दिन तक दवा की तब जाकर इनकी तबियत मे सुधार हुआ। जिसमे सफाइ से लेकर इलाज का खर्च 3000 रूपये का आया था। अब श्यामा पहले से स्वस्थ हैं तथा नसबन्दी करवाने को तैयार है।

राजदेव ने बताया कि हमारे 22 विकास खण्डों मे विस्तारित जनपद की कुल आबादी 54 लाख के करीब होने के बाद भी आज हमारे जिले मे मान्यता प्राप्त सुरक्षित गर्भ समापन सेवाओं की संख्या केवल 8 ही है, जिसमे से 2 केंद्र ही ब्लाक स्तर पर है वह भी प्राईवेट मे बाकी के सभी जिला मुख्यालय पर स्थित है ऐसे मे सभी महिलाओं को जिला मुख्यालय पर आकर के सुरक्षित गर्भ समापन सेवायें लेना सम्भव नही हे इसी लिये महिलायें झोला छाप डाक्टरों के यहॉ से ही सेवायें ले रही है, जिसके चलते महिलाओं को गम्भीर जटिलाओं का सामना करना पड़ता है कई बार उन्हे जान से भी हाथ धोना पड़ता है। झोलाछाप या प्राईवेट डाक्टरों के यहॉ सेवाये इतनी महगी है कि परिवार कर्ज मे डूब जा रहे है।

साथी जिला फोरम की सदस्य सबीना ने बताया कि हमारा जो सामाजिक ढाँचा है उसमें आज भी लोग गर्भसमापन को कानूनी अपराध मानते हैं। 90 प्रतिशत से ज्यादा लोग समझते हैं कि ये गलत काम है या शर्म की बात है। इसलिए इस विषय पर चर्चा भी नहीं होती है। लोग इस बात को छुपाते हैं और गर्भसमापन के लिए प्राईवेट या झोलाछाप डॉक्टरों के पास जाते हैं जिससे उन्हें असुरक्षित गर्भसमापन सेवायें ही मिलती हैं। गांव मे आशा के द्वारा इस प्रकार की जरूरत मंद महिलाओं को उचित जानकारी देने के बजाय उन्हे झोला छाप के पास ही पहुचाया जा रहा है गांव के लोग आशा के उपर अधिक विश्वास करते है लेकिन आशा उनका सही मार्गदर्शन नही कर रही है।

राजदेव ने बताया कि ग्रामीण पुनर्निर्माण संस्थान के द्वारा किये गये एक अध्ययन से पता चलता है कि उपभोक्ता स्तर पर सुरक्षित गर्भ समापन सेवाओं को प्राप्त करने मे निम्न अवरोध/ बाधायें हैः–

- सुरक्षित सेवाओं के बारे मे अज्ञानता
- कानूनी बैधता के बारे मे अज्ञानता
- निर्णय लेने की शक्ति का अभाव
- आर्थिक निर्भरता
- गोपनीयता
- कलंक का डर/ गलत धारणायें
- समाजिक दबाव

इसी प्रकार स्वास्थ्य प्रणाली के स्तर पर निम्न अवरोध/ बाधायें हैः–

- सार्वजनिक क्षेत्र मे सेवाओं की अनुपलब्धता
- स्वास्थ्य सेवा प्रदाता का ज्ञान और कौशल
- स्वास्थ्य सेवा प्रदाता की निजि राय और ईच्छा

- स्वास्थ्य सेवा प्रदाता का नजरिया
- गोपनीयता के मुद्दे
- बलपूर्वक सहमति प्रक्रिया
- सशर्त सेवा के प्रावधान

प्रदेश व जिले की परिवार नियोजन के साधनों की अनमेट नीड यदि पूरी कर दी जाय तो अनचाहे गभर को रोका जा सकता है इसी अनचाहे गर्भ की स्थिति मे महिला को गर्भसमापन करवाना पड़ता है एनएफएचएस –4 के अनुसार सारणी को भी सभी के समक्ष प्रस्तुत किया गया

आयुसमूह	भारत	उत्तर प्रदेश
15 से 19 साल	**22.2%**	**22.5%**
20 से 24 साल	**22.3%**	**25.7%**
25 से 29 साल	**9.4%**	**25.0%**
30 से 34 साल	**4.1%**	**19.3%**
35 से 39 साल	**1.2%**	**14.8%**
40 से 44 साल	**0.3%**	**10.2%**
45 से 49 साल	**0.1%**	**6.2%**

राजदेव चतुर्वेदी के प्रस्तुतिकरण के बाद नारी संघ की नीमल एवं रागिनी के द्वारा सुरक्षित गर्भ समापन सेवाओं की उपलबधता के लिये 9 सूत्रीय मांग पत्र मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय को सौपा गयाः–

- जनपद आजमगढ़ के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में सुरक्षित चिकित्सकीय गर्भसमापन सेवाओं को उपलब्ध किया जाय जिससे महिलाओं की उन तक पंहुच बने।
- एक मजबूत जन स्वास्थ्य नीति व प्रणाली स्थापित करना जिससे चिकित्सकीय गर्भसमापन की सेवाये बेहतर हो सके।

- अनचाहे गर्भधारणों के मामले में कमी लाने के लिए परिवार नियोजन के साधनों की गुणवत्तापूर्ण उपलब्धता एवं सुरक्षित गर्भनिरोधक उपायों के प्रयोग को बढ़ावा दिये जाने हेतू प्रभावी पहल की जाय ।

- गर्भसमापन केन्द्रों को मान्यता प्राप्त करने के न्यूनतम मानको का पालन करने के लिये बनाये गये नियमो को बेहतर किया जाय।

- जनपद मे पर्याप्त स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों की नियुक्ति सुनिश्चित की जाय।

- सरकारी सेवा प्रदाताओं के साथ साथ मान्यताप्राप्त निजि सेवा प्रदाताओं का नयी तकनीकी पर गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाय। इसके साथ ही गर्भसमापन के बाद होने वाली जटिलताओं के प्रबन्धन के लिये विशेष प्रशिक्षण दिया जाय।

- चिकित्सीय गर्भ समापन अधिनियम के प्रावधानों का प्रचार प्रसार किया जाय ।

- समुदाय स्तर पर व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने के लिये आशा, आगनबाड़ी एवं एएनएम को इस विषय मे प्रशिक्षित किया जाय।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये डा0 वाई0 के0 राय ने कहा कि विश्व सुरक्षित गर्भ समापन दिवस के अवसर पर इस प्रकार का आयोजन करने के लिये ग्रामीण पुनर्निर्माण संस्थान व कार्यक्रम मे आये सभी बहनो व भाईयों को हमारी शुभकानायें संस्थान द्वारा इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम सराहनीय है यह सही है कि आज भी जनपद की आबादी के हिसाब से स्वास्थ्य विभाग के पास मानव संसाधन कम होने के कारण बहुत सी जरूरी सेवाये हम नही उपलब्ध करा पा रहे है लेकिन हम आप सबका आहवान करते है कि हमारे ब्लाक स्तरीय अस्पतालों मे परिवार नियोजन की सभी सेवाये निशुल्क उपलब्ध हर योग्य दम्पत्ती उसका उपयोग करके अनचाहे गर्भ से बचे ओर यदि अनचाहा गर्भ नही होगा तो सुरक्षित या असुरक्षित किसी भी प्रकार के गर्भसमापन की आवश्यकता ही नही पड़ेगी।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये डा0 ए0 के0 मिश्र मुख्य चिकित्साधिकारी ने कहा कि सर्व प्रथम विश्व सुरक्षित गर्भ समापन दिवस के अवसर पर आप लोगों की इस जागरूकता के लिये हमारी ओर से बधाई हम प्रयास करेंगे कि यदि कोई अस्पताल एमटीपी केंद्र के लिये आवेदन करता है और मानक पूरा करता है तो एसे मान्यता दे दी जायेगी जरूरी है कि हम अपनी पसंद का गर्भ निरोधक साधन का प्रयोग करें तथा यदि किसी कारण बस अनचाहा गर्भ रूक जाये तो 20 सप्ताह के पहले ही सम्पर्क करें जिला महिला अस्पताल मे आकर गर्भ समापन करवा सकती है पीएचसी सीएचसी पर किसी भी प्रकार की सेवाये ना मिलने की स्थिति मे आप वहॉ के अधीक्षक से सम्पर्क करें आपकी समस्या का समाधान होगा यदि इसके बाद भी दिक्कत हो तो हर अस्पताल पर हमारा नम्बर लिखा है आप हमे भी फोन कर सकते है, आपके मांग पत्र पर हम विचार करेंगे और जितना हो सकेगा उतना यथा शीध्र पूरा करेंगे आपलोगों की कुछ मांगे हमारे अधिकार क्षेत्र के बाहर है लेकिन उचित मंचों पर हम प्रयास करेंगे।

संस्थान की वरिष्ठ साथी ज्योति गुप्ता ने कार्यक्रम मे आये सभी प्रतिभागियों को धनयवाद देते हुये कार्यक्रम समापन की घोषणा की।

दिनांकः विश्व सुरक्षित गर्भ समापन दिवस, 28 सितम्बर 2019

सेवामें,

मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय

जनपद– आजमगढ़

महोदय,

आप अवगत ही हैं कि मातृ मृत्यु के 5 बड़े कारणों मे से एक असुरक्षित गर्भसमापन है, इससे सम्बंधित मौतों को कम करने और सुरक्षित गर्भसमापन की सुविधाओं और सेवाओं में वृद्धि कर महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य के अधिकारों को सुनिश्चित करने की पहल के लिये हम नारी संघ एवं आजमगढ़ जनपद के स्वैच्छिक संगठनों के साथी आपसे मांग करते हैं कि :–

- जनपद आजमगढ़ के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में सुरक्षित चिकित्सकीय गर्भसमापन सेवाओं को उपलब्ध किया जाय जिससे महिलाओं की उन तक पंहुच बने।
- एक मजबूत जन स्वास्थ्य नीति व प्रणाली स्थापित करना जिससे चिकित्सकीय गर्भसमापन की सेवाये बेहतर हो सके।
- अनचाहे गर्भधारणों के मामले में कमी लाने के लिए परिवार नियोजन के साधनों की गुणवत्तापूर्ण उपलब्धता एवं सुरक्षित गर्भनिरोधक उपायों के प्रयोग को बढ़ावा दिये जाने हेतू प्रभावी पहल की जाय ।
- गर्भसमापन केन्द्रों को मान्यता प्राप्त करने के न्यूनतम मानको का पालन करने के लिये बनाये गये नियमो को बेहतर किया जाय।
- जनपद मे पर्याप्त स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों की नियुक्ति सुनिश्चित की जाय।
- सरकारी सेवा प्रदाताओं के साथ साथ मान्यताप्राप्त निजि सेवा प्रदाताओं का नयी तकनीकी पर गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाय। इसके साथ ही गर्भसमापन के बाद होने वाली जटिलताओं के प्रबन्धन के लिये विशेष प्रशिक्षण दिया जाय।
- चिकित्सीय गर्भ समापन अधिनियम के प्रावधानों का प्रचार प्रसार किया जाय ।
- समुदाय स्तर पर व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने के लिये आशा, आगनबाड़ी एवं एएनएम को इस विषय मे प्रशिक्षित किया जाय।

सकारात्मक पहल की प्रत्याशा मे हम नारी संघ एवं साथी जिला फोरम के सदस्य

(ऋतु चतुर्वेदी)
9451113651

REDMI NOTE 7 PRO
AI DUAL CAMERA

GPS_ World Safe Abortion Day 2019 event report

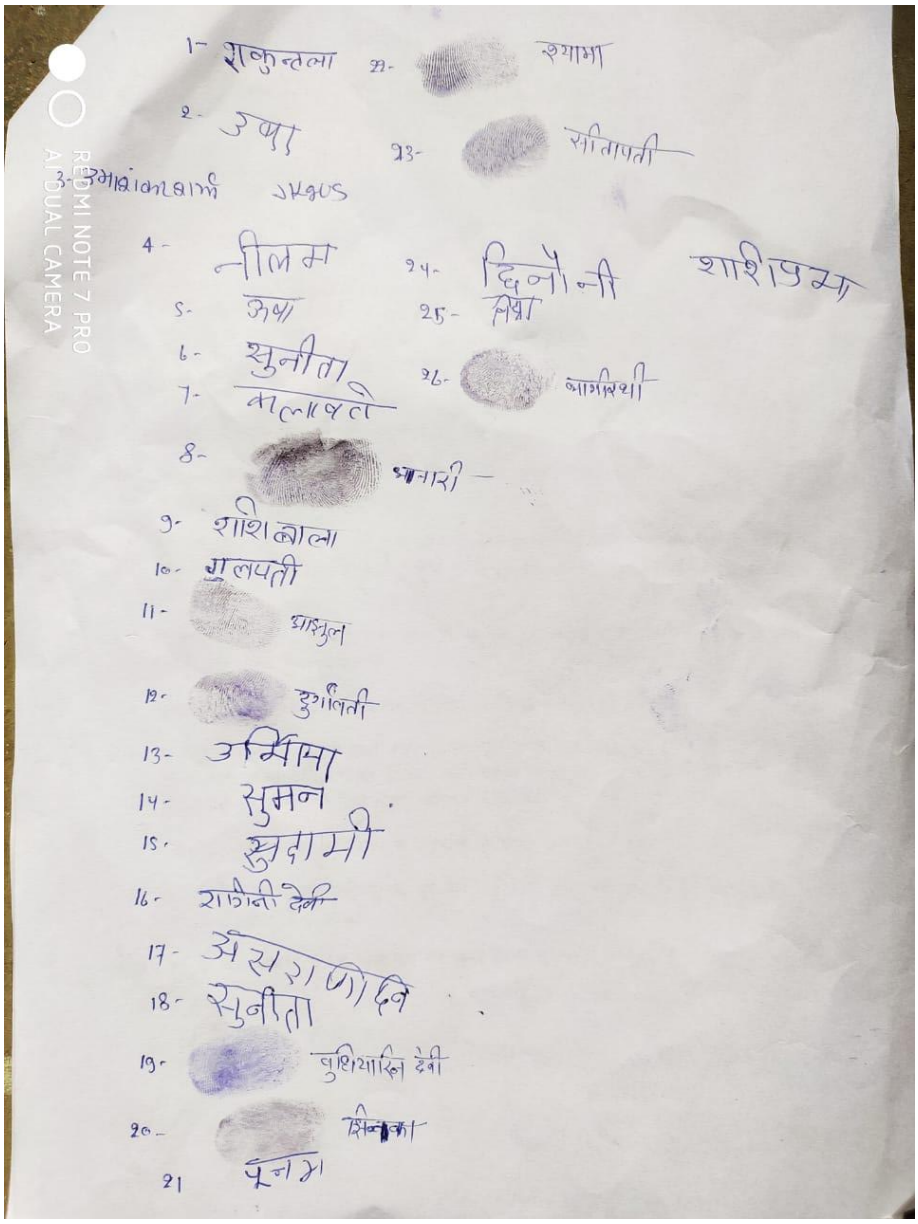

1- शकुन्तला
2- उषा
3- उमाशंकरवार्मा
4- नीलम
5- उषा
6- सुनीता
7- कल्लावती
8- [illegible]
9- शशिबाला
10- गुलपती
11- [illegible]
12- दुर्गावती
13- उर्मिला
14- सुमन
15- सुदामी
16- राजेनी देवी
17- असराणी देवि
18- सुनीता
19- [illegible]
20- [illegible]
21 पूनम
22- श्यामा
23- सीतापती
24- दिनौनी
25- लिपा
26- [illegible]
शशिप्रभा